प्रारम्भिक स्तर पर

ग्रेड (III-V)

हिन्दी भाषा शिक्षण को

रुचिकर व आनंदमयी बनाने हेतु तैयार

" खेल पिटारा "

डॉ० विजय कुमार चावला,

हिंदी प्राध्यापक {030013}

SAVE PAPER, SAVE TREES

अनुक्रमणिका

लेखक की कलम से	2
दो शब्द	3
चार खंडीय रूपरेखा मॉडल	4–5
खेल	
साँप–सीढ़ी का खेल	6–8
लुडो का खेल	9–11
फ्लैश कार्ड का खेल	12–15
स्लाइड और सीढ़ी	16–18
बिंगो खेल	19–20
टिक–टैक–टो का खेल	21–23
हिन्दी ताश के 52 पत्तों का खेल	24–28
ट्रैक बनाओ	29–32
मुझे मेरे परिवार से मिलाओ	33–36
मात्रा भूलभुलैया का खेल	37–39
पासे का खेल	40–42
चित्रों वाले पासे का खेल	43–45
शब्द पहिए का खेल	46–49
वर्ण/अक्षर शब्दयुक्त पासे का खेल	50–52
हिन्दी शिक्षण ऐसा हो	53

SAVE PAPER, SAVE TREES

लेखक की कलम से

मेरे द्वारा तैयार प्रारम्भिक स्तर पर हिन्दी भाषा शिक्षण को रुचिकर व आनंदमयी बनाने के लिए सचित्र "खेल पिटारा" नामक ई-बुक का प्रथम संस्करण आप सभी के समक्ष है । खेल पिटारा नामक ई-बुक को तैयार करने के पीछे मेरा उद्देश्य विद्यालय में प्रारम्भिक स्तर पर हिन्दी भाषा शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में बच्चों व अध्यापकों को आ रही दिक्कतों को दूर करना रहा है । प्रारम्भिक स्तर पर ही बच्चों की हिन्दी भाषा की नींव सुदृढ़ होना अति अनिवार्य है । प्रारम्भिक स्तर पर विद्यालयों में हिन्दी भाषा शिक्षण में चार खंडीय मॉडल के अनुसार भाषा शिक्षण बहुत लाभकारी होता है, जिसमें मौखिक भाषा विकास , डिकोडिंग कौशल का विकास , पठन व लेखन कौशल शामिल हैं । मैंने कक्षा-कक्ष में नवाचार तकनीक का प्रयोग करते हुए खेल-खेल में हिन्दी भाषा शिक्षण किया और पाया कि बच्चे खेल -खेल में भाषा को रुचि लेते हुए सीखते हैं । खेल- खेल में शिक्षण के सकारात्मक परिणाम देखने को मिले । खेल-खेल में शिक्षण से जहाँ बच्चों का मानसिक , सामाजिक , संवेगात्मक, शारीरिक विकास होता है वहीं उनमें सृजनात्मक क्षमता , सक्रिय भागीदारी आदि कौशलों का भी विकास होता है । इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए मैंने हिन्दी भाषा को रुचिकर व आनंदमयी बनाने के लिए भिन्न-भिन्न भाषा खेल तैयार किए और उन्हें सचित्र खेल पिटारा नामक ई-बुक का रूप प्रदान किया ताकि प्रत्येक अध्यापक व बच्चे तक इसे पहुँचा सकूँ । मुझे पूर्ण आशा है कि यह 'खेल पिटारा' नामक ई-बुक सबकी अपेक्षाओं पर खरी उतरेगी । इस 'खेल पिटारा' नामक ई-बुक को तैयार करने में प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से जिसने भी मेरी सहायता की है , मैं उन सभी का हृदय से आभारी हूँ । मेरा आप सबसे अनुरोध है कि इस सचित्र 'खेल पिटारा' नामक ई-बुक में यदि टंकण संबंधी या अन्य कोई त्रुटि मिले तो उस ओर मेरा ध्यान अवश्य आकर्षित करें । आपके सुझाव सादर आमंत्रित हैं ।

डॉ० विजय कुमार चावला {030013}
हिन्दी प्राध्यापक,
राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय,
क्योड़क (2186)
जिला कैथल (हरियाणा)।

दो शब्द

राष्ट्र के पुनर्निर्माण के कार्य में भाषा की शिक्षा का विशेष महत्त्व है। भाषा ही हमारे चिंतन का आधार है। भाषा के माध्यम से विद्यार्थी ज्ञान-विज्ञान के अनेकानेक विषयों का अध्ययन करता है। यदि विद्यार्थी का अधिकार भाषा पर नहीं होगा तो वह ज्ञान के अन्य क्षेत्रों में प्रगति नहीं कर पाएगा। अतः विद्यार्थी को भाषा का ज्ञान होना अति अनिवार्य है। विद्यालयों में बच्चों का हिन्दी भाषा में प्रदर्शन चिंतनीय है। भले ही हिन्दी भारत की राजभाषा है , फिर भी विद्यालयों में बच्चों का हिन्दी विषय में जूझते हुए पाया जाता है। बच्चे हिन्दी ठीक से बोल , पढ़ व लिख नहीं पाते। जब तक वे हिन्दी भाषा में ही सक्षम नहीं हो पाएंगे , तब तक वह अन्य विषयों में सक्षम कैसे हो पाएंगे ?

आज समय की माँग है कि बच्चों को हिन्दी भाषा में सक्षम बनाया जाए। परंतु प्रारंभिक स्तर पर भाषा शिक्षण की प्रचलित विधियाँ ही भाषा शिक्षण में चुनौती के रूप में उभरकर सामने आती हैं। यदि बच्चों को हिन्दी भाषा में सक्षम बनाना है तो इन प्रचलित विधियों का समाधान करना ही होगा। भाषा शिक्षण की प्रचलित विधियाँ निम्नानुसार हैं -

हिन्दी भाषा शिक्षण की इन चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए ही विद्यालय में प्रारंभिक स्तर पर भाषा शिक्षण करवाया जाना चाहिए। कक्षा-कक्ष में चार खंडीय रूपरेखा को अपनाते हुए पाठ योजना का निर्माण कर हिंदी भाषा शिक्षण करवाया जाना चाहिए।

चार खंडीय रूपरेखा मॉडल

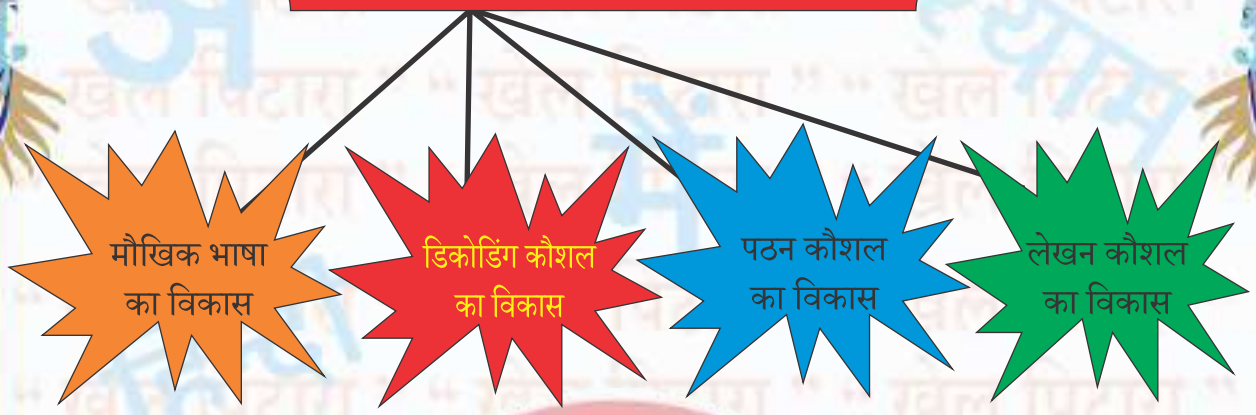

कक्षा-कक्ष में मौखिक भाषा के विकास के अवसर प्रदान किए जाने चाहिए, डिकोडिंग क्षमता को विकसित किया जाना चाहिए। पठन और लेखन कौशल को भी विकसित किया जाना चाहिए। कक्षा-कक्ष में बच्चों को उनके अधिगम संप्राप्ति के आधार पर भाषा शिक्षण करवाया जाना चाहिए जो कि आजकल भाषा शिक्षण की एक उभरती हुई प्रवृत्ति बनकर सामने आ रही है। इसके लिए भाषा शिक्षण को रुचिकर व आनंदमयी बनाने के लिए नवाचारी तकनीक का प्रयोग करते हुए विभिन्न खेल गतिविधियों का प्रयोग अत्यंत लाभकारी होता है।

विदित है कि शिक्षा का अभिप्राय केवल पुस्तकों का ज्ञान अर्जित करना ही नहीं, अपितु शिक्षा का उद्देश्य व्यक्ति के मानसिक विकास के साथ-साथ उसके शारीरिक विकास की ओर ध्यान देना भी है। ईश्वर ने मनुष्य को शारीरिक, मानसिक तथा आत्मिक - तीन शक्तियाँ प्रदान की हैं। जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए इन तीनों का संतुलित रूप से विकास होना आवश्यक है। शिक्षा तथा खेल एक दूसरे के पूरक हैं। एक के बिना दूसरा अपंग है। शिक्षा यदि परिश्रम लगन, संयम, धैर्य तथा भाईचारे का उपदेश देती है तो खेल के द्वारा विद्यार्थी इन गुणों को वास्तविक रूप में अपनाता है। खेलना बच्चों के स्वभाव में होता है। आज की शिक्षा-प्रणाली में इस बात पर जोर दिया जा रहा है कि बच्चों को पुस्तकों की अपेक्षा खेलों के माध्यम से शिक्षा ग्रहण करवाई जाए।

आज के युग में खेल न केवल मनोरंजन का साधन हैं, बल्कि इनका सामाजिक तथा राष्ट्रीय महत्व भी है। इनसे छात्रों में अनुशासन की भावना आती है। आपसी मन-मुटाव समाप्त हो जाता है तथा खेल भावना का विकास भी होता है। खेल बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं। खेल से बच्चों के शारीरिक विकास, संज्ञानात्मक विकास, संवेगात्मक विकास , सामाजिक विकास, शैक्षिक एवम् नैतिक विकास को बढ़ावा मिलता है। खेल मनुष्य को सामाजिक कौशलों के विकास का भी अवसर देता है।

पियाजे के अनुसार - खेल बच्चों की मानसिक क्षमताओं के विकास में भी एक बड़ी भूमिका निभाते हैं। खेलों से तार्किक क्षमता व स्कूल सम्बन्धी कौशलों को विकसित होने में मदद मिलती है।

वाइगोत्स्की के अनुसार - जटिल भूमिकाओं वाले खेलों में बच्चों का अपने व्यवहार को संगठित करने का बेहतर व सुरक्षित अवसर मिलता है जो वास्तविक स्थितियों में नहीं मिलता। इस तरह खेल बच्चे के लिए निकट विकास का क्षेत्र बनाते हैं।

खेल से कल्पनाशीलता और सृजनात्मक को भी बढ़ावा मिलता है। खेल ऐसी क्रिया है , जो बच्चों को अभ्यास के पर्याप्त अवसर प्रदान करती है। खेल बच्चों के भाषायी विकास में भी सहायक होते हैं। इनके द्वारा बच्चे सामाजिक होना सीखते हैं। इनसे बच्चों का भावात्मक विकास भी होता है। खेल बच्चों के विकास में मदद करके उन्हें भविष्य की भूमिकाओं के लिए तैयार करते हैं। खेल-खेल में सीखी गई संकल्पनाएँ पढ़ने-लिखने के कौशल और समूह खेल में हिस्सा लेने की क्षमता तथा बाद में स्कूल में समायोजन में मदद करते हैं। खेल प्रश्न पूछने और खोजबीन करने की मनोवृत्ति को भी परिपोषित करता है। जैसे-जैसे बच्चे नई चीजें सीखते हैं और उनमें निपुणता प्राप्त करते हैं वह अपने बारे में आश्वस्त होते जाते हैं। खेल-खेल के माध्यम से बच्चे तनावमुक्त हो कर भाषा के विभिन्न पहलुओं को आसानी से सीख जाते हैं। बच्चों की विषय में रुचि भी बढ़ जाती है।

मेरे द्वारा विद्यालय में विभिन्न खेल गतिविधियों का प्रयोग करते हुए हिन्दी भाषा शिक्षण करवाया जा रहा है जोकि भाषा शिक्षण में उभरती हुई प्रवृत्ति के रूप में काफी कारगर सिद्ध हो रहा है। मैंने प्रारम्भिक स्तर पर विद्यालय में हिन्दी भाषा शिक्षण को रुचिकर व आनंदमयी बनाते हुए पढ़ाने के लिए न केवल भाषा खेल तैयार किए बल्कि उनका सफल प्रयोग भी किया है। मैंने इन खेलों को प्रत्येक बच्चे व अध्यापक तक पहुँचाने के लिए 'सचित्र खेल पिटारा' नामक ई-बुक बनाने का निर्णय लिया ताकि सब इन खेलों का प्रयोग करते हुए बच्चे हिन्दी भाषा में सक्षम बन सकें। इन खेलों के माध्यम से प्रारम्भिक स्तर पर बच्चों में हिन्दी भाषा के चार खंडीय कौशलों {मौखिक भाषा विकास , डिकोडिंग कौशल का विकास , पठन व लेखन कौशल का विकास } को विकसित करने का भी प्रयास किया गया है। इस ई-बुक में प्रत्येक खेल का चित्र , उसके नियम , उनसे सीखे जाने वाले कौशल तथा खेल कैसे खेला जाए की पूर्ण जानकारी प्रदान की गई है। प्रारम्भिक स्तर पर इस सचित्र खेल पिटारा ई-बुक में शामिल इन खेलों का प्रयोग करते हुए हम बच्चों को हिन्दी भाषा रुचिकर व आनंदमयी बनाते हुए पढ़ा सकते हैं। बच्चे इन खेलों के माध्यम से अपने हिन्दी भाषा के सभी कौशलों का विकास आसानी से कर सकते हैं। इस प्रकार बच्चों को हिन्दी भाषा में सक्षम बनाया जा सकता है।

साँप-सीढ़ी

का खेल

भाषा के विभिन्न कौशलों के आकलन हेतु साँप–सीढ़ी

साँप सीढ़ी के खेल से भाषा ज्ञान कराना है।

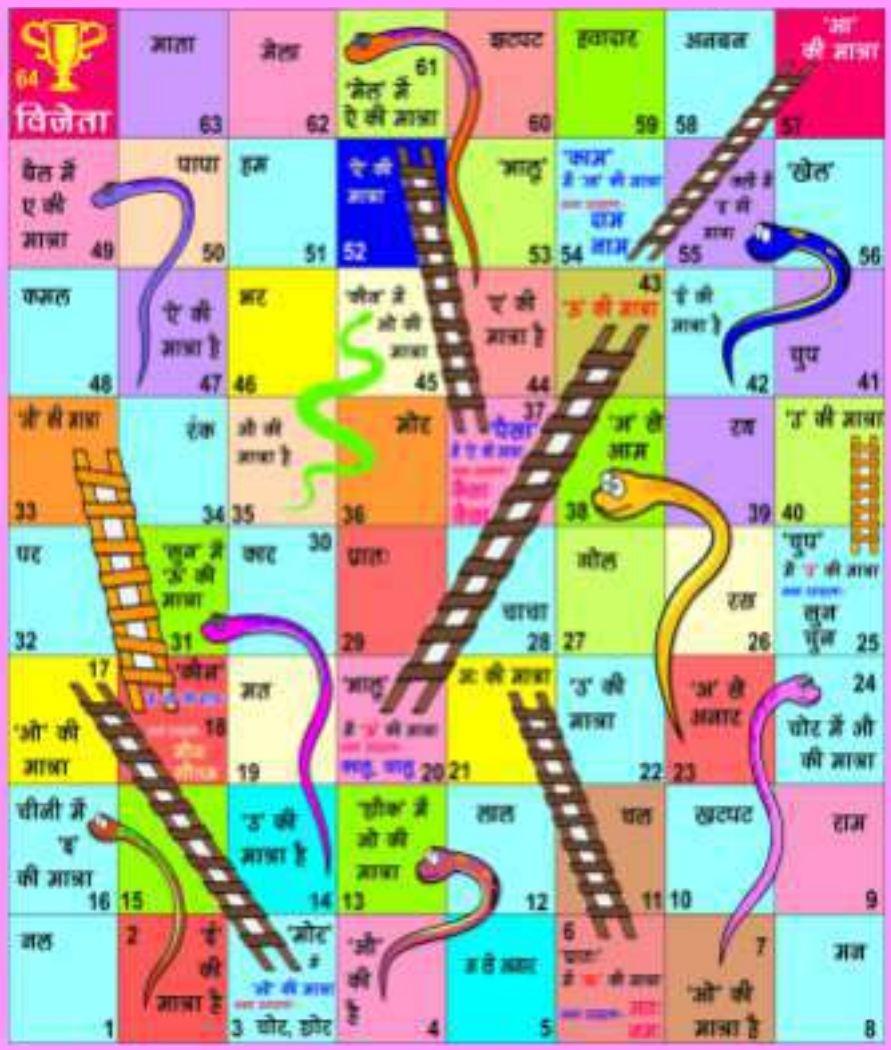

हिन्दी भाषा शिक्षण को रुचिकर व आनंदमयी बनाना है।

खेल का नाम	साँप-सीढ़ी का खेल
सीखने वाले तत्त्व	ध्वनि पहचान व ध्वनि जागरूकता करना, डिकोडिंग कौशल का आकलन व विकास, मात्राओं का ज्ञान, पठन कौशल का आकलन व विकास, शब्द निर्माण का ज्ञान प्रदान करना व शब्दावली का विकास करना, सहयोग की भावना उत्पन्न करना,सक्रिय भागीदारी निभाना, सामाजिक विकास करना आदि।
खेल निर्माण में उपयोग में ली जाने वाली सामग्री	चार्ट , स्केच पेन , रंग , गिट्टियां , dice , साँप-सीढ़ी का फ्लेक्स प्रिंट आदि।
खेल खेलने के नियम	बच्चा पासे (Dice) का प्रयोग करते हुए अपनी चाल चलेगा। जहाँ उसकी गिट्टी पहुँचेगी , उसे उस स्थान पर लिखे को पढ़ना या उसके बारे में बताना होगा। यदि वहाँ सही विवरण होगा तो वह सीढ़ी के माध्यम से ऊपर चला जाएगा और यदि गलत विवरण होगा तो वह नीचे आ जाएगा। शेष नियम साँप सीढ़ी वाले ही रहेंगे। उसका साथी उसकी गिट्टी को काट भी सकता है। सर्वप्रथम जो बच्चा ट्रॉफी अर्थात 64 पर पहुँच जाएगा, वही विजयी कहलाएगा।

नोटः– शिक्षक इसी प्रकार के व्याकरण के अन्य साँप–सीढ़ी का खेल भी बना सकते हैं।

लुडो

का खेल

भाषा के विभिन्न कौशलों को विकसित करने हेतु तैयार लुडो खेल

लूडो के खेल से भाषा ज्ञान कराना है।

हिन्दी भाषा शिक्षण को रुचिकर व आनंदमयी बनाना है।

खेल का नाम	लुडो का खेल
सीखने वाले तत्त्व	ध्वनि पहचान व ध्वनि जागरूकता करना, डिकोडिंग कौशल का आकलन व विकास, मात्राओं का ज्ञान , पठन कौशल का आकलन व विकास, शब्द निर्माण का ज्ञान प्रदान करना व शब्दावली का विकास करना, सहयोग की भावना उत्पन्न करना, सक्रिय भागीदारी निभाना, सामाजिक विकास करना आदि।
खेल निर्माण में उपयोग में ली जाने वाली सामग्री	चार्ट , स्केच पेन , रंग , गिट्टियां, dice , लुडो का फ्लेक्स प्रिंट आदि ।
खेल खेलने के नियम	बच्चा पासे (Dice) का प्रयोग करते हुए अपनी चाल चलेगा । जहाँ उसकी गिट्टी पहुँचेगी , उसे उस स्थान पर लिखे को पढ़ना या उसके बारे में बताना होगा । उसके बाद वह अपनी चाल चलेगा । लुडो में दिए नियमों का उसे पालन करना होगा। यदि खतरे में है तो जो वहाँ लिखा होगा उसे वैसी चाल चलनी होगी। शेष नियम लुडो वाले ही रहेंगे। उसका साथी उसकी गिट्टी को काट भी सकता है। सर्वप्रथम जिस बच्चे की सभी गिट्टियाँ उसके घर में पहुँच जाएंगी, वही विजयी कहलाएगा।

फ्लेश कार्ड

का खेल

SAVE PAPER, SAVE TREES

ला
काली
ह
प

खेल का नाम	फ्लेश कार्ड का खेल
सीखने वाले तत्त्व	ध्वनि पहचान व ध्वनि जागरूकता करना, डिकोडिंग कौशल का आकलन व विकास, मात्राओं का ज्ञान, पठन कौशल का आकलन व विकास, शब्द निर्माण का ज्ञान प्रदान करना व शब्दावली का विकास करना, वाक्य निर्माण करना, सहयोग की भावना उत्पन्न करना, सक्रिय भागीदारी निभाना, सामाजिक विकास करना आदि ।
खेल निर्माण में उपयोग में ली जाने वाली सामग्री	कार्ड , हार्ड शीट , स्केच पेन , रंग , फ्लेश कार्ड के फ्लेक्स/सनबोर्ड प्रिंट आदि ।
खेल खेलने के नियम	बच्चा फ्लेश कार्ड का प्रयोग करते हुए ध्वनियाँ जोड़ना, ध्वनियाँ तोड़ना, शब्द निर्माण करना, वाक्य निर्माण करना, कहानी सुनाना, कहानी लेखन आदि काम करेगा । शिक्षक देखेगा किस बच्चे ने दिए हुए काम को अच्छी तरह किया है और किस बच्चे को अधिक ध्यान या मेहनत की जरूरत है। शिक्षक फ्लेश कार्ड का खेल व्यक्तिगत रूप से या समूह में भी करा सकता है।

स्लाइड और सीढ़ी

खेल-खेल में डिकोडिंग व पठन कौशल का आकलन
स्लाइड और सीढ़ी खेल से भाषा का ज्ञान कराना है।
हिन्दी भाषा शिक्षण को रुचिकर व आनंदमयी बनाना है।
40
बिटिया 39
38
37
सैर 36
खेल 35
34
33
32
लट्टू 31
दादा 21
कबूतर 22
बन्दर 23
पेड़ 24
मालू 25
तरबूज 26
टमाटर 27
28
केला 29
कमला 30
मछली 20
19
निकर 18
ऐनक 17
16
औरत 15
तोता 14
घर 13
12
रानी 11
राजा
अनार 1
2
रथ 3
नल 4
पापा 5
नदी 6
दिन 7
8
मोर 9
10

खेल का नाम	**स्लाइड और सीढ़ी का खेल** छोटे बच्चों के लिए बनाया, ताकि साँप से वे ना डरें ।
सीखने वाले तत्त्व	ध्वनि पहचान व ध्वनि जागरूकता करना, डिकोडिंग कौशल का आकलन व विकास, मात्राओं का ज्ञान, पठन कौशल का आकलन व विकास, शब्द निर्माण का ज्ञान प्रदान करना व शब्दावली का विकास करना, वाक्य निर्माण करना, सहयोग की भावना उत्पन्न करना, सक्रिय भागीदारी निभाना, सामाजिक विकास करना आदि ।
खेल निर्माण में उपयोग में ली जाने वाली सामग्री	हार्ड शीट पर प्रिंट, चार्ट, स्केच पेन, रंग, स्लाइड और सीढ़ी के खेल का फ्लेक्स / सनबोर्ड प्रिंट आदि।
खेल खेलने के नियम	बच्चा स्लाइड और सीढ़ी खेल में पासे (Dice) का प्रयोग करते हुए अपनी चाल के अनुसार शब्द को पढ़ेगा व चित्र के बारे में बोलेगा । यदि वह ऐसा नहीं कर पाता तो वह वापस वहीं जाएगा जहाँ वह पहले था । वह आगे तभी बढ़ेगा जब वो शिक्षक या साथी को पढ़ या सुना कर दिखा देता है । इस तरह स्लाइड व सीढ़ी (झूले) का प्रयोग करते हुए सबसे पहले जो ट्रॉफी तक पहुँचेगा, वही विजयी कहलाएगा ।

बिंगो खेल

राम		मामा		औरत	ता+ला
ना		पैसा			सुन
दिन			प		तरबूज़
	लड़का			ब	ला
शलगम		काला		स	
मछली		र	ऐनक		बरसात

खेल का नाम	बिंगो खेल
सीखने वाले तत्त्व	ध्वनि पहचान व ध्वनि जागरूकता करना, डिकोडिंग कौशल का आकलन व विकास, मात्राओं का ज्ञान, पठन कौशल का आकलन व विकास, शब्द निर्माण का ज्ञान प्रदान करना व शब्दावली का विकास करना, सहयोग की भावना उत्पन्न करना, सक्रिय भागीदारी निभाना, सामाजिक विकास करना, भयमुक्त व तनावमुक्त वातावरण में भाषा का ज्ञान प्राप्त करना आदि ।
खेल निर्माण में उपयोग में ली जाने वाली सामग्री	शीट पर प्रिंट, चार्ट , स्केच पेन , आदि ।
खेल खेलने के नियम	शिक्षक बच्चों को एक-एक प्रिंट दे देंगे , जिसमें खेल बना हुआ हो । इसके बाद शिक्षक बच्चों को बताएगा कि जिस वर्ण / अक्षर / शब्द को वह उच्चारित करेगा उसे बच्चे क्रॉस मार्क लगा कर काट देंगे । जिस बच्चे की लाइन या होल हाउस पूरी हो जाएगी , वह बिंगो बोलेगा । जिस बच्चे के सभी क्रॉस मार्क पूरे हो जायेंगे वही विजयी कहलाएगा ।

नोट :- शिक्षक वर्ण, अक्षर, शब्द आदि के अलग-अलग बिंगो कार्ड बनाकर बच्चों का आकलन कर सकता है ।

टिक-टैक-टो का खेल

टिक-टैक-टो का खेल

का कि की म मा मी र रा

री रि स सा ग गा

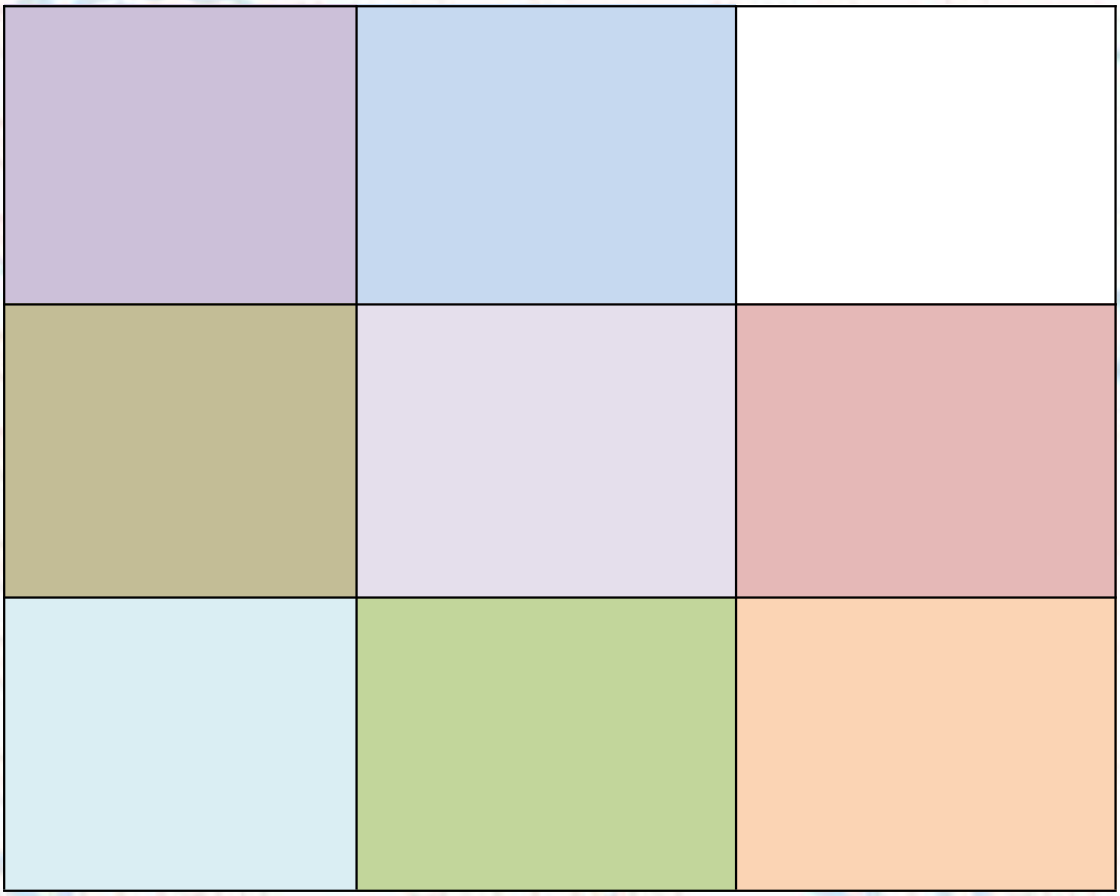

कै रे पै सो बो बे के त ता छ चा चा मू

न ना नी जा ट टी ती मे ले औ

SAVE PAPER, SAVE TREES

खेल का नाम	टिक-टैक-टो का खेल
सीखने वाले तत्त्व	ध्वनि पहचान व ध्वनि जागरूकता करना, डिकोडिंग कौशल का आकलन व विकास, मात्राओं का ज्ञान, पठन कौशल का आकलन व विकास, शब्द निर्माण का ज्ञान प्रदान करना व शब्दावली का विकास करना, सहयोग की भावना उत्पन्न करना, सक्रिय भागीदारी निभाना, सामाजिक विकास करना आदि ।
खेल निर्माण में उपयोग में ली जाने वाली सामग्री	शीट पर प्रिंट , चार्ट , स्केच पेन , आदि ।
खेल खेलने के नियम	बच्चे को शीट देकर उनसे यह खेल खिलवाया जाया जा सकता है । इस खेल को एक समय में एक शीट पर दो बच्चे खेल सकते हैं । बच्चे वर्ण / अक्षरों का प्रयोग करते हुए शब्द निर्माण करेंगे और अपना-अपना स्कोर/अंक साथ-साथ नोट करते रहेंगे । जैसे - बच्चे ने लिखा कल तो उसका स्कोर/अंक होगा 2 , दूसरे ने कलम बना दिया तो उसके 3 अंक माने जाएँगे । यदि बच्चे ने कमला बनाया तो 4 और वरदान बनाया तो 5 अंक माने जाएँगे । जिस बच्चे का स्कोर अधिक होगा वह विजयी होगा । इस प्रकार बच्चों का खेल-खेल में शब्दावली विकास होगा ।

हिन्दी ताश के 52 पत्तों का खेल

SAVE PAPER, SAVE TREES

awareness creates Knowledge,
and Knowledge creates Strong society
leading to a strong nation."

खेल का नाम	हिन्दी ताश के 52 पत्तों का खेल
सीखने वाले तत्त्व	ध्वनि पहचान व ध्वनि जागरूकता करना, डिकोडिंग कौशल का आकलन व विकास, मात्राओं का ज्ञान, पठन कौशल का आकलन व विकास, शब्द निर्माण का ज्ञान प्रदान करना व शब्दावली का विकास करना, मौखिक भाषा विकास, लेखन कौशल का विकास करना, सहयोग की भावना उत्पन्न करना, सक्रिय भागीदारी निभाना, सामाजिक विकास करना आदि ।
खेल निर्माण में उपयोग में ली जाने वाली सामग्री	ताश के पत्ते जिन पर हिन्दी वर्ण, अक्षर, फल के चित्र, सब्जियों के चित्र, यातायात के साधन के चित्र, बातचीत हेतु चित्र, कहानी सुनाने व लिखने के लिए चित्र आदि ।
खेल खेलने के नियम	बच्चों को ताश उठाने के लिए कहते हुए ध्वनि जागरूकता करवाई जा सकती है । मात्राओं के ज्ञान का आकलन किया जा सकता है । वर्ण व चित्रों का मिलान करवाया जा सकता है । बच्चों से शब्दों का निर्माण करवाया जा सकता है । उनसे चित्र दिखाते हुए कहानी सुनाने के लिए कहा जा सकता है । उनसे कहानी लिखने के लिए भी कहा जा सकता है । इस प्रकार ताश के 52 पत्तों के खेल के माध्यम से बच्चों का खेल-खेल में हिन्दी भाषा का विकास करवाया जा सकता हैं ।

ट्रैक बनाओ

(अक्षर ज्ञान)

कमल	टब	नल	तन	जगत	सब
खटपट	अगर	मरहम	कटहल	कतरन	मग
अवसर	गगन	तरल	अमर	सबक	तब
सबक	मचल	रथ	महल	घर	कब
नटखट	बचपन	बस	सरगम	भगत	जल
सरपट	गरदन	बल	उपवन	अकबर	मटर
नगर	बचत	वन	दमकल	जमघट	चल

SAVE PAPER, SAVE TREES

खेल का नाम	ट्रैक बनाओ , विजेता बनो का खेल ।
सीखने वाले तत्त्व	डिकोडिंग कौशल का आकलन व विकास , पठन कौशल का आकलन व विकास, शब्द निर्माण का ज्ञान प्रदान करना व शब्दावली का विकास करना, सहयोग की भावना, सक्रिय भागीदारी व बच्चों का सामाजिक विकास करना।
खेल निर्माण में उपयोग में ली जाने वाली सामग्री	दो , तीन व चार अक्षरीय शब्दों का संग्रह एक लेमिनेटेड शीट या चार्ट पर भी इसे तैयार किया जा सकता है । शब्दों की सीमा आवश्यकता अनुसार घटाई व बढ़ाई जा सकती है। एक पासा {Dice} , स्केच पेन व डस्टर, पुराना कपड़ा, गिट्टियां, फ्लेक्स प्रिंट आदि।
खेल खेलने के नियम	इस खेल को 2 से 4 बच्चे एक समय में खेल सकते हैं। यदि दो बच्चे खेलते हैं तो वे X और Y निशान का प्रयोग कर सकते हैं। वे गिट्टियों का भी प्रयोग कर सकते हैं इसके लिए एक ही रंग की कई गिट्टियों की जरूरत होगी। पासे पर 1 या 4 आने पर दो अक्षर के शब्द पर या तो गिट्टी रखेगा या X / Y का निशान लगाएगा। पासे पर 2 या 5 आने पर तीन अक्षर के शब्द पर या तो गिट्टी रखेगा या X / Y का निशान लगाएगा। पासे पर 3 या 6 आने पर चार अक्षर के शब्द पर या तो गिट्टी रखेगा या X / Y का निशान लगाएगा।

अंकों का निर्धारण	यदि एक ट्रैक में बच्चा 4 शब्दों को काटता है या गिट्टी रखता है , तो उसे चार अंक मिलेंगे । यदि एक ट्रैक में बच्चा 5 शब्दों को काटता है, या गिट्टी रखता है तो उसे पाँच अंक मिलेंगे । यदि एक ट्रैक में बच्चा 6 शब्दों को काटता है, या गिट्टी रखता है तो उसे छह अंक मिलेंगे । बच्चे शब्दों को straight, vertically, horizontally व diagonally काट सकते हैं ।
विजेता कौन बनेगा	जिस बच्चे के सबसे अधिक अंक बनेंगे, वही विजयी कहलाएगा ।

मुझे मेरे परिवार से मिलाओ

कचालू
खरबूजा
तरबूज
पालक
टमाटर
आम
हरा
कश्ती
कार
नीला
आलू
भूरा
प्याज
हैलीकाप्टर
भिण्डी
अदरक
अमरूद
खुमानी
केला
साइकिल
जहाज
मोटर साइकिल
बस
ट्रैक्टर
संतरी
गुलाबी
मूली
ट्रक
करेला
सफेद
काला
पीला
अनार
लाल
अंजीर
लीची

फल	सब्जियाँ
यातायात के साधन	रंगों के नाम

SAVE PAPER, SAVE TREES

खेल का नाम	**मुझे मेरे परिवार से मिलाओ का खेल।**
सीखने वाले तत्त्व	डिकोडिंग कौशल का आकलन व विकास , पठन कौशल का आकलन व विकास , शब्द निर्माण का ज्ञान प्रदान करना व शब्दावली का विकास करना , सहयोग की भावना , सक्रिय भागीदारी व बच्चों का सामाजिक विकास करना।
खेल निर्माण में उपयोग में ली जाने वाली सामग्री	स्केच्च पेन व डस्टर , पुराना कपड़ा , फल , रंगों , सब्जियों व यातायात के साधन के नाम / चित्र के प्रिंट/ लिखित कार्ड आदि।
खेल खेलने के नियम	बच्चे **फलों, रंगों , सब्जियों व यातायात के साधनों के नाम / चित्र के प्रिंट/ लिखित कार्ड** का प्रयोग करते हुए ध्वनियाँ जोड़ना , शब्द निर्माण करना , वाक्य निर्माण करना , अपनी बात रखना , **फलों, रंगों , सब्जियों व यातायात के साधनों के नाम** आदि का ज्ञान प्राप्त कर पाएंगे । शिक्षक देखेगा किस बच्चे ने दिये हुए काम को अच्छी तरह किया है और किसे और ध्यान या मेहनत की जरूरत है। शिक्षक **फलों , रंगों , सब्जियों व यातायात के साधनों के नाम / चित्र के प्रिंट / लिखित कार्ड** का प्रयोग व्यक्तिगत रूप से या समूह में भी करा सकता है। शिक्षक इन पर बच्चों से चर्चा / बातचीत भी कर सकते हैं। उनसे लेखन कार्य भी करवाया जा सकता है।
विजेता कौन रहेगा	**जो बच्चा जितनी जल्दी ज्यादा-से-ज्यादा परिवार के सदस्यों को मिलाएगा , वही विजयी कहलाएगा।**

मात्रा भूलभुलैया का खेल

SAVE PAPER, SAVE TREES

खेल का नाम	**भूलभुलैया का खेल।**
सीखने वाले तत्त्व	डिकोडिंग कौशल का आकलन व विकास , पठन कौशल का आकलन व विकास , शब्द निर्माण का ज्ञान प्रदान करना व शब्दावली का विकास करना , सहयोग की भावना , सक्रिय भागीदारी व बच्चों का सामाजिक विकास करना।
खेल निर्माण में उपयोग में ली जाने वाली सामग्री	स्केच्च पेन व डस्टर , पुराना कपड़ा , भूलभुलैया मात्रा ज्ञान लेमिनेटेड शीट , शब्द ज्ञान लेमिनेटेड शीट आदि।
खेल खेलने के नियम	बच्चे **भूलभुलैया मात्रा ज्ञान लेमिनेटेड शीट , शब्द ज्ञान लेमिनेटेड शीट** का प्रयोग करते हुए ध्वनियाँ जोड़ना , शब्द निर्माण करना का ज्ञान प्राप्त कर पाएंगे। शिक्षक देखेगा किस बच्चे ने दिये हुए काम को अच्छी तरह किया है और किसे और ध्यान या मेहनत की जरूरत है। शिक्षक **भूलभुलैया मात्रा ज्ञान लेमिनेटेड शीट , शब्द ज्ञान लेमिनेटेड शीट** का प्रयोग व्यक्तिगत रूप से या समूह में भी करा सकता है। बच्चा या बच्चे **स्केच्च पेन का प्रयोग करते हुए भूलभुलैया में से निकलते हुए बाहर निकलेंगे । शिक्षक यह देखेगा कि कौन-सा बच्चा भूलभुलैया में से पहले अपने साथी को पहचानता हुआ बाहर निकलता है ।**
विजेता कौन रहेगा	जो बच्चा भूलभुलैया में से सबसे पहले अपने साथी को पहचानता हुआ बाहर निकलेगा , वही विजयी कहलाएगा।

पासे का खेल

पासे के खेल के माध्यम से भाषा कौशल का आकलन

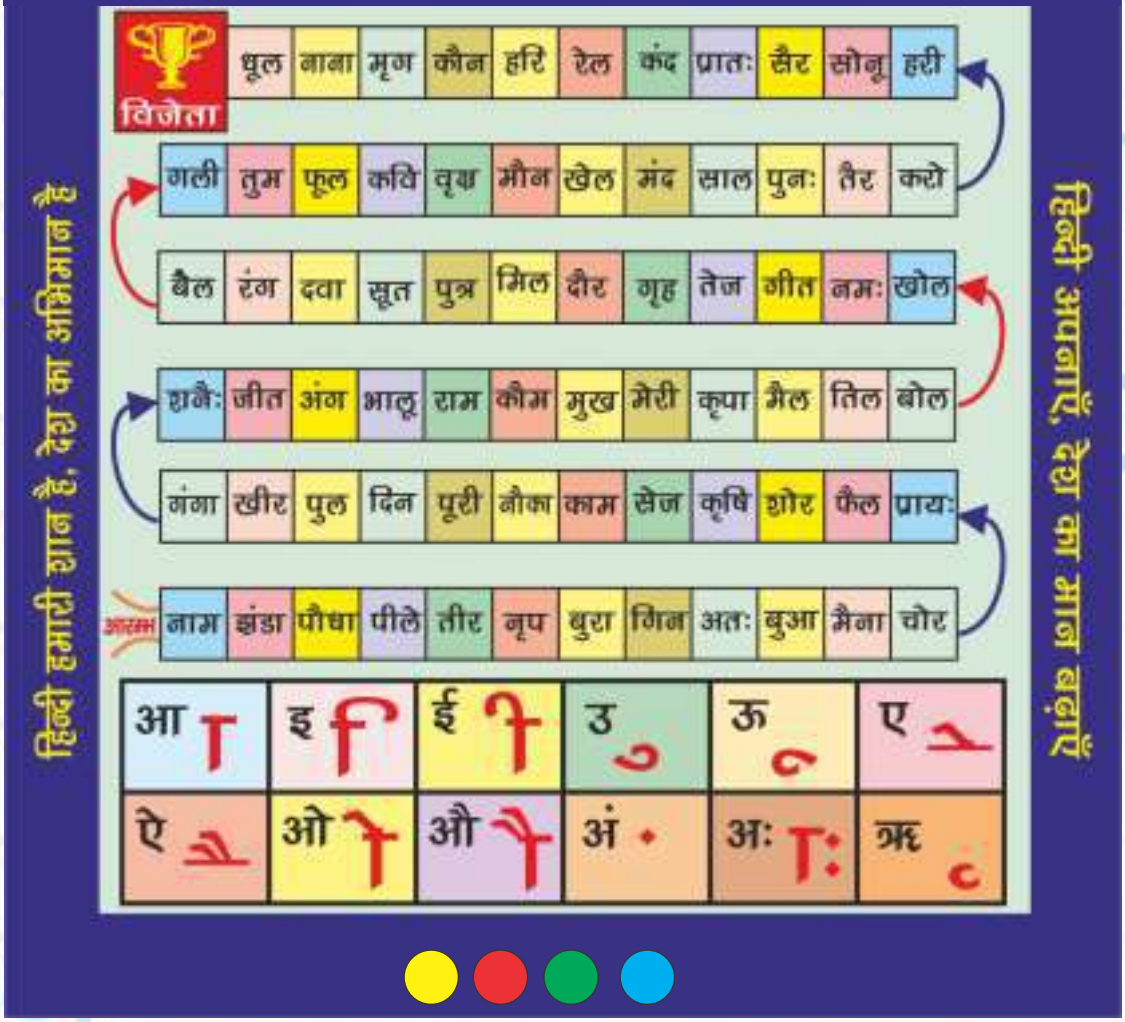

खेल का नाम	मात्रा कौशल के ज्ञान व आकलन हेतु पासे का खेल।
सीखने वाले तत्त्व	डिकोडिंग कौशल का आकलन व विकास , पठन कौशल का आकलन व विकास , मात्रा ज्ञान व शब्द निर्माण का ज्ञान प्रदान करना व शब्दावली का विकास करना, सहयोग की भावना, सक्रिय भागीदारी व बच्चों का सामाजिक विकास करना।
खेल निर्माण में उपयोग में ली जाने वाली सामग्री	मात्राओं का प्रयोग करते हुए दो , तीन व चार अक्षरीय शब्दों का संग्रह एक लेमिनेटेड शीट पर ,चार्ट पर या फ़्लेक्स पर भी इसे तैयार किया जा सकता है। शब्दों की सीमा आवश्यकता अनुसार घटाई व बढ़ाई जा सकती है। एक पासा {Dice} , गिट्टियां , फ्लेक्स प्रिंट आदि।
खेल खेलने के नियम	इस खेल को 4 बच्चे एक समय में खेल सकते हैं। पासे पर 6 आने पर बच्चा खेल प्रारम्भ कर पाएगा। बच्चे पासे को मात्राओं के खानों में डालेंगे / फेकेंगे। जिस मात्रा पर उनका पासा गिरेगा उसके प्रयोग से बने शब्द पर वो अपनी गिट्टी चलाएगा। इसी प्रकार अगला बच्चा अपनी चल चलेगा। एक बच्चा दूसरे बच्चे को अपनी गिट्टी से काट भी सकेगा। जब बच्चे को दूसरा काट देता है तो वह नियमानुसार वापस बाहर आ जाएगा और पुनः अपनी बारी पर खेल प्रारम्भ करेगा। इस प्रकार बच्चे खेल- खेल में मात्राओं से बने शब्दों का ज्ञान प्राप्त करते हुए अपने ज्ञान को विकसित कर पाएंगे।
विजेता कौन रहेगा	**जो बच्चा सबसे पहले ट्रॉफी तक पहुँच जाएगा वही विजेता कहलाएगा।**

चित्रों वाले पासे का खेल

awareness creates Knowledge.
and Knowledge creates Strong society

खेल का नाम	चित्रों वाले पासे का खेल।
सीखने वाले तत्त्व	बातचीत व चर्चा के द्वारा मौखिक भाषा का विकास , लेखन कौशल का आकलन व विकास, सोचने की क्षमता का विकास, सहयोग की भावना, सक्रिय भागीदारी व बच्चों का सामाजिक विकास करना।
खेल निर्माण में उपयोग में ली जाने वाली सामग्री	चित्रों वाला पासा , पेन व कॉपी।
खेल खेलने के नियम	बच्चों को समूह में बिठा कर उन्हें पासे से अपनी चाल चलने के लिए कहेंगे। पासे के ऊपरी सिरे पर जो चित्र आएगा उस पर शिक्षक द्वारा बच्चे को चर्चा करने के लिए कहा जा सकता है। उनसे बातचीत की जा सकती है। इसके बाद उन्हें कहानी लेखन / चित्र पर लेखन करने के लिए कहा जा सकता है। शिक्षक यह देखेगा किस बच्चे ने दिये हुए काम को अच्छी तरह किया है और किसे और ध्यान या मेहनत की जरूरत है। जिस बच्चे ने सबसे अच्छा लिखा वही विजयी होगा।
विजेता कौन रहेगा	**जो बच्चा जितनी अच्छी कहानी लिखेगा या लेखन कार्य करेगा, वही विजयी कहलाएगा।**

शब्द पहिए का खेल

ज
म
ट
क
ह
ठ
द
र
ल

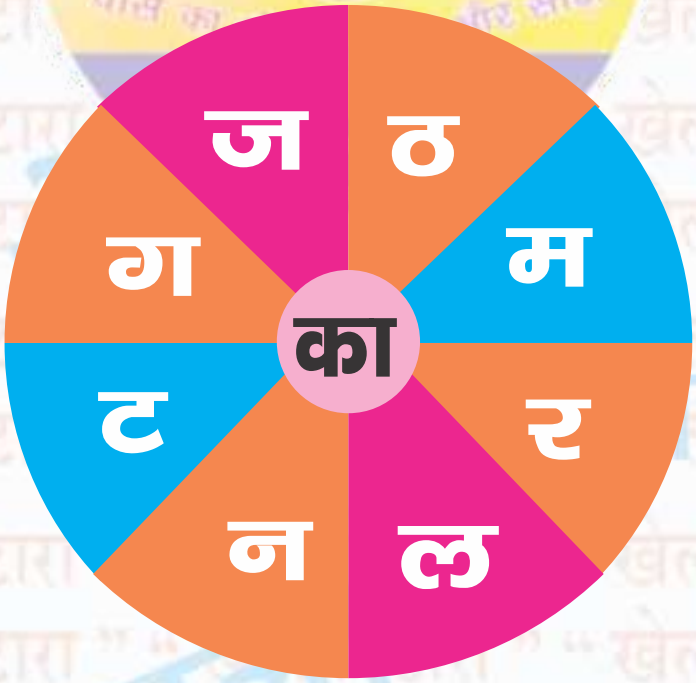
ज
ठ
ग
म
का
ट
र
न
ल

ज
म
ट
ह
क
द
र
ल

खेल का नाम	शब्द पहिए का खेल।
सीखने वाले तत्त्व	डिकोडिंग कौशल का आकलन व विकास , पठन कौशल का आकलन व विकास , शब्द निर्माण का ज्ञान प्रदान करना व शब्दावली का विकास करना , सहयोग की भावना , सक्रिय भागीदारी व बच्चों का सामाजिक विकास करना।
खेल निर्माण में उपयोग में ली जाने वाली सामग्री	वर्ण / अक्षर का प्रयोग करते हुए शब्द पहिया। फ्लेक्स प्रिंट / हार्ड शीट पर प्रिंट या सनबोर्ड पर प्रिंट।
खेल खेलने के नियम	इस खेल को बच्चे समूह में एक समय में खेल सकते हैं। शिक्षक बच्चों को शब्द पहिए में प्रयुक्त वर्ण / अक्षर का प्रयोग करते हुए शब्द निर्माण करने के लिए कहेगा। बच्चे शब्द पहिए में प्रयुक्त वर्ण / अक्षर का प्रयोग करते हुए दो , तीन व चार अक्षरीय शब्दों का निर्माण करेंगे।
विजेता कौन रहेगा	**जिस बच्चे के सबसे अधिक सार्थक शब्द बनेंगे , वही विजयी कहलाएगा।**

वर्ण /अक्षर शब्दयुक्त पासे का खेल

खेल का नाम	वर्ण / अक्षर/ शब्दयुक्त पासे का खेल।
सीखने वाले तत्त्व	डिकोडिंग कौशल का आकलन व विकास , पठन कौशल का आकलन व विकास , शब्द निर्माण का ज्ञान प्रदान करना व शब्दावली का विकास करना , सहयोग की भावना , सक्रिय भागीदारी व बच्चों का सामाजिक विकास करना।
खेल निर्माण में उपयोग में ली जाने वाली सामग्री	वर्ण / अक्षर / शब्द युक्त पासे।
खेल खेलने के नियम	शिक्षक बच्चों को समूह में बिठाकर पासे का प्रयोग करते हुए शब्द निर्माण करने के लिए कह सकता है। वह बच्चों का डिकोडिंग का आकलन भी कर सकता है। वह उनके पठन का आकलन भी कर सकता है। बच्चे पासे का प्रयोग करते हुए शब्द व वाक्य निर्माण का कार्य भी कर सकते हैं।
विजेता कौन रहेगा	जो बच्चा शिक्षक के दिए हुए कार्य को जितनी जल्दी व बढ़िया तरीके से करेगा , वही विजयी कहलाएगा।

" हिन्दी शिक्षण ऐसा हो "

बच्चा करे दिल से यह पुकार,
मुझे भी दो पढ़ने का अधिकार।
बच्चे घर से विद्यालय हैं आए,
साथ हैं अपने घर की भाषा लाए।
उनकी भाषा का करें हम सम्मान,
फिर जाकर दें उन्हें हिन्दी का ज्ञान।
बातचीत के अवसर देकर उनको हैं पढ़ाना,
मौखिक भाषा के विकास से है भाषा-ज्ञान कराना।
भाषा शिक्षण में ध्वनि चेतना व ध्वनि जागरूकता है जरूरी,
डिकोडिंग व अर्थ निर्माण बिन भाषायी समझ है अधूरी।
पठन की रणनीतियों को अपनाना है,
भाषा शिक्षण को सफल बनाना है।
समझ की रणनीतियों से भाषा-ज्ञान कराना है,
बच्चों में रटने की बुरी आदत को छुड़ाना है।
हम सबने अब यह ठाना है,
खेल-खेल में भाषा शिक्षण करवाना है।
साँप-सीढ़ी, लुडो व कार्ड के खेल से भाषा ज्ञान कराना है,
हिन्दी भाषा शिक्षण को रुचिकर व आनंदमयी बनाना है।
सारे बच्चे हिन्दी में बने सक्षम,
आओ मिलकर इस ओर बढ़ाएं कदम।

“ खेल पिटारा ”

डॉ० विजय कुमार चावला,

हिंदी प्राध्यापक {030013}

SAVE PAPER, SAVE TREES